रात्रि क्लास 25/12/68:– बाप कहीं दूर से आते हैं तो बच्चों के लिए कुछ न कुछ सौगात ज़रूर ले आते हैं। यह है बेहद का बाप। बच्चे जानते हैं बाबा विश्व की बादशाही देने आये हैं। बाप सौगात ले आते हैं बादशाही तो मिलनी है ज़रूर, फिर उनमें नम्बरवार पद हैं। कोई राजा, कोई रंक बनते हैं। ऐसे नहीं नर्कवासी कोई दूसरे बनते हैं। वही स्वर्गवासी पूज्य फिर वही नर्कवासी पुजारी बनते हैं। यह 84 जन्म भी भारतवासी लेते हैं। बाकी जितना जो याद की यात्रा में रहेंगे। बाप समझाते हैं तुम तमोप्रधान पतित बन गये हो ना। किसको सीधा कहो तो गुस्सा आ जाये। तुम्हारे बापदादा, परदादा अरे यह तो डिक्लीयर कर जाते हैं मरते हैं तो कहते हैं हम स्वर्ग में जाते हैं। पहले नर्क में थे। अभी तुम समझते हो हम सतयुगी सतोप्रधान थे। अभी कलियुग में तमोप्रधान हैं, फिर सतोप्रधान बनते हैं। बाप कहते हैं तुम तमोप्रधान बन गये हो। तुम समझते हो अभी तमोप्रधान हैं। बरोबर हम कंगाल हैं। सतोप्रधान से तमोप्रधान बनते जाते हैं। झाड़ वृद्धि को पाता जाता है। यह है ज्ञान। वह है भक्ति। बाप आते ही हैं सद्गति करने। ज़रूर उनकी दुर्गति होगी उनकी करेंगे ना। कोई को कहो भक्ति से दुर्गति को पाया है तो बिगड़ पड़े। नॉलेज समझाई जाती है। उनको कहा जाता है बखमल का मोचरा सीधा कहो नर्कवासी हो तो यह है लोहे का मोचरा। सभी बच्चों में यह समझ नहीं है। कई तो

ऐसे हैं बात करने का भी ढंग नहीं है। टीचरों की भी कॉलेज होती है ना। वह है हद की यह है बेहद की। तुम टीचर्स को पढ़ा रहे हैं। तुम सभी टीचर्स हो ना। टीचर्स में भी नम्बरवार होते हैं। दान–पुण्य आदि सभी यहाँ ही होती है। वहां तो नाम ही नहीं होता है दान–पुण्य का। वहां की रसम ही और तो बच्चों को बाप और वरण झट याद आना चाहिए। एक ल॰ ना॰ में देखो कितनी ताकत है। सारे विश्व पर राज्य करते हैं। तुम बाप को याद करते–करते कितने शक्तिवान बनते हैं। राजाओं को प्रजा हमेशा अन्नदाता कहते हैं। समझते हैं इनके कारण ही हमको मिलता है। है भी ऐसे। इन्होंने भी बाप से वर्सा लिया है। ताकत कितनी रहती है। रसिया का जार आता था लश्कर लेकर तो मनुष्य बड़ा डरते थे। ताकत रहती है ना। अभी तुम ताकत लेते हो। सभी एक को रिगार्ड देंगे। कमान्डर आदि के कितनी बड़ी आर्मी सेना होते हैं। कितना रिगार्ड रहता है। यहां है जिस्मानी शक्ति वहां है रूहानी शक्ति। सारी ताकत एक राजा–रानी में रहतीह`। कितनी पूजा होती है। इतनी ताकत कहां से मिली? बाप से। परंतु माया है ना। इतना विचार कोई का चलता ही नहीं। अभी तुम देखो बाप से क्या लेते हो। बाप नई दुनिया ही रचते हैं। पुरानी दुनिया की स्थापना कब होती ही नहीं। बाप नई दुनिया स्थापन कर रहे हैं सो तुम जानते हो। दुनिया ज़रा भी नहीं जानती। तुम भी इस जन्म में सीखे हो। वह हठ करेंगे– लड़ेंगे–झगड़ेंगे। विघ्न पड़ेंगे। बांधेलियाँ कितना पुकारती हैं। स्वर्ग में कितना पवित्रता है। कहते हैं बच्चे नहीं होंगे। अरे, वहां तो विकार की बात ही नहीं। योगबल से विश्व की बादशाही ले सकते हैं तो बच्चा क्यों नहीं पैदा करेंगे। बाप से योगबल प्राप्त करते हैं, जो फिर 21 जन्मों तक चलता है, फिर आहिस्ते–2 कम होता जाता है। फिर भोगी बनते हैं। संन्यासी तो प्रवृति मार्ग को जानते ही नहीं। तो वह राजयोग कैसे सिखावेंगे। यह नॉलेज अच्छी रीत धारण करनी है। समझाना सिखाना पड़े। बाप बाप भी है, टीचर भी है, टीचर न बनेंगे तो पद कम हो जावेगा। कुछ न कुछ सीखना है। नेपाल में छोटे बच्चे को भी शिकार करना सिखलाते हैं। बतक या कुछ न कुछ मारना ज़रूर है। पाड़ों को भी मारते हैं, फिर उनका महाप्रसाद समझते हैं। यह सभी ड्रामा में नूँध है। (दो)ष कोई को दे नहीं सकते। समझना होता है ड्रामा कैसे चलता है। तुम जानते हो यह अनादि अविनाशी ड्रामा बना हुआ है। यह फिर भी हूबहू ज़रूर रिपीट होगा। तुम बच्चों की बुद्धि में है कितनी बड़ी दुनिया है। क्या–क्या कैसे–कैसे मोटरें हैं। एक कार 15 .... रुपये का है। स्टील की ऐसी बनाई है जो गोली अन्दर जा न

सके। अपनी बचाव के लिए कैसे बनाते हैं। हाँ, तो ऐसी कोई बात ही नहीं होती। तुम बहुत निडर रहते हो। यहां तो कमल काल का कितना डर है। कितना रोते हैं। तुम सभी बातों से छूट जाते हो। गाया जाता है बाप बच्चों के लिए तीरी पर बहिस्त लाते हैं। हम स्वर्ग में जरूर आवेंगे। वही बाप फिर तुमको टीचर बन पढ़ाते भी हैं। ऐसे बाप, गुरु, टीचर को तो निरन्तर याद करना चाहिए ना। उस एक को ही ऑलमाइटी कहा जाता है। बाप ऑलमाइटी सतोप्रधान (ब)नाते हैं। माया भी ऑलमाइटी थी सभी को तमोप्रधान बना दिया है टीचर में भी नम्बरवार महारथी, घुडसवार, प्यादे। प्रजा में भी ऐसे नम्बरवार होते हैं। महारथी घोड़े सवार प्यादे। कोई को समझाने की भी बड़ी युक्ति चाहिए। बाप ने समझाया है विघ्न भी पड़ेंगे। मारा–मारी .....चों की गफलत से होती है। तुम बच्चों को सामना नहीं करना है। शांत में रहना है। बाप शान्ति का सागर है तो तुमको भी ऐसा बनना है। अच्छा, रूहानी बच्चों को रूहानी बापदादा का यादप्यार गुडनाइट और रूहानी बच्चों को रूहानी बाप की नमस्ते।